CHAPTER 42

MUSIC

Doctoral Theses

01. A. AKSHAYA
Music Therapy for Selected Behavioral Disorders in Children and Adolesents.
Supervisors : Prof. T V Manikandan and Dr. K E S Unni
Th 23799

Abstract
(Verified)

This research work aims at finding appropriate musical solutions for various behavioral disorders in children and adolescents in the age group of 6-12 years and 13-16 years respectively. It concentrates on understanding the effects of music on the electrical and chemical activities in the human brain. This is an inter-disciplinary research involving music, psychology and physiology of human beings.
The work is divided into five chapters and the first chapter - Introduction describes the history of music as a therapeutic measure. It also covers various aspects of music therapy as depicted in Ayurveda, Siddha medicine, etc. The second chapter gives complete details about four behavioral disorders in children-Aggression, Learning Problems, ADHD and Social Isolation, including their causes and symptoms. It also contains details about the musical interventions on selected cases of each disorder and a specific result of each intervention. Similarly, third chapter elaborates on 5 behavioral disorders in adolescents- Identity Crisis, Disobedient and Hostile Behavior, Anxiety Disorder, Mood Disorder and Psychotic Disorder. It describes all these disorders in detail, along with their causes and symptoms. The case studies of adolescents are also included. The effects of musical intervention on adolescents are depicted both graphically and in words. The fourth chapter describes the various techniques of using music as a therapeutic measure and also throws light on other allied healing practices which can be used along with music to make the intervention more effective. In the fifth chapter- Conclusion, the final outcome of the study is analyzed and the corresponding results are brought out. Thus, it is anticipated that this research work, based on the scientific principles, will open new dimensions in the field of music therapy and will ignite the minds of later researchers to innovate on further possibilities in this direction.

Contents

1. Introduction 2. Behavioral disorders in children 3. Behavioral disorders in adolescents 4. Music therapy and allied healing practices 5. Conclusion. Medical terminologies, bibliography and annexures.

02. अविनाश कुमार
रामपुर-सहसवान घराने की गायिकी : ख़याल एवं तराना के विशेष संदर्भ में।
निर्देशक : डॉ. अनन्य कुमार डे
Th 23796

विषय सूची

1. भारतीय संगीत में घराना परंपरा 2. रामपुर सहसवान घराने का इतिहास 3. रामपुर सहसवान घराने में ख़याल गायिकी 4. रामपुर सहसवान घराने में तराना 5. रामपुर सहसवान घराने की बंदिशों का अध्ययन 6. रामपुर सहसवान घराने के कलाकारों का परिचय। उपसंहार। संदर्भ ग्रंथ सूची।

03. आनन्द (कमलेश कुमार)
शहनाई वाद्य की परम्परा का क्रमिक विकास।
निर्देशक : डॉ. मदन शंकर मिश्रा
Th 23452

विषय सूची

1. भारतीय संगीत वाद्यों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि 2. शहनाई वाद्य का ऐतिहासिक विवरण एवं क्रमिक विकास 3. शहनाई वाद्य के मुख्य भाग एवं तकनीकी परिवर्तन 4. वर्तमान परिप्रेक्ष्य में शहनाई वाद्य का वादन 5. शहनाई वाद्य के पारम्परिक विकास में कुछ मुख्य कलाकारों की भूमिका। उपसंहार। संदर्भ ग्रंथ सूची।

04. गोस्वामी (संदीप)
भारतीय वाद्यवृन्द का विकास एवं नवीन प्रवृत्तियाँ ।
निर्देशिका : प्रो. अलका नागपाल
Th 23451

विषय सूची

1. भारतीय वाद्यवृन्द का अर्थ एवं इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि 2. भारतीय वाद्यवृन्द के विकास में प्रमुख संगीतज्ञों का योगदान एवं विभिन्न रचनाएँ 3. भारतीय वृन्दीकरण में उत्पन्न होने वाली समस्याएँ एवं समाधान हेतु नवीन दिशाएँ 4. आधुनिक भारतीय वाद्यवृन्द पर पाश्चात्य संस्कृति एवं संगीत का प्रभाव एवं प्रयुक्त होने वाली नवीन प्रवृत्तियाँ। उपसंहार। संदर्भग्रंथसूची। परिशिष्ट।

05. CHIRRAVURI OMKARACHARI
Development of Typography in Visual Communication.
Supervisor : Dr. B S Chauhan
Th 23454

Contents

1. Historiography of written letter forms 2. Development of scripts and manuscripts 3. Development of alphabet (Typography) 4. Digital typefces in print and electronic media 5. Future of typogaphy in visual communication. Summary and bibliography.

06. चौहान (प्रियंका)
हिन्दुस्तानी संगीत जगत को बनारस की महिला कलाकारों की देनः गायन के संदर्भ में ।
निर्देशक : प्रो. प्रतीक चौधुरी
Th 23447

विषय सूची

1. ऐतिहासिक एवं संस्कृति के धनी शहर के रूप में बनारस 2. बनारस की गायिकाएं,व्यक्तितव एवं अविस्मरणीय कृतित्व 3. भारतीय समाज में महिलाओं का स्थान एवं संगीत के क्षेत्र में महिला विभिन्न गायिकाएं 4. वर्तमान समय में बनारस की सुप्रतिष्ठित गायिकाएं : साधिकाएं प्रेरक एवं शिक्षिकाओं के रूप में 5. बनारस में संगीत के प्रचार व प्रसार में संलग्न विभिन्न संस्थाएं । उपसंहार। परिशिष्ट। संदर्भ ग्रंथ सूची।

07. नर्मदा शंकर
स्वर्णिम राजस्थानी भित्तिचित्रकला में भारतीय संगीत के प्रतिबिम्बों का विवेचनात्मक अध्ययन।
निर्देशिका : प्रो. अनुपम महाजन
Th 23444

विषय सूची

1. राजस्थान की भित्तिचित्रकला एवं भारतीय संगीत का अंतःसम्बन्ध 2. प्राचीन भित्तिचित्रकला की विभिन्न विधाओं में भारतीय संगीत के प्रतिबिम्ब 3. लोक चित्रकला में भारतीय संगीत के प्रतिबिम्ब 4. आधुनिक चित्रकला में भारतीय संगीत के प्रतिबिम्ब 5. राजस्थान की भित्तिचित्रकला की विभिन्न विधाओं में भारतीय संगीत के प्रतिबिम्बों का विवेचनात्मक अध्ययन। उपसंहार। परिशिष्ट। संदर्भ ग्रंथ सूची।

08. PAI (Prasanth G.)
Importance of Talas and Laya as a Therapeutic Measure : An Exploratory Study.
Supervisor : Prof. T V Manikandan
Th 23801

Contents

1. Introduction 2. Literature review 3.Etymology of tala and laya 4. Relevance of talas and laya as a therapeutic measure. Conclusion and bibliography.

09. FEYLIZADEH (Setareh)
Impact of Bihzad's School on the Style of Painting During the Reign of Akbar.
Supervisor : Dr. Amergeet Chandok
Th 23800

Contents

1. survey of the mutual interactions of Iran and India 2. Timurid and safavid Iran 3. Mughal dynasty from Babur to Akbar (1526-1605) 4. kaml al-Din Bihzad as an exemplary figure in Timurid and Safavid eras5. Impact of Bihzad's school on the style of painting during the reign of Akbar. Conclusion and bibliography

10. मल्हौत्रा (सुकृति)
उत्तर भारतीय सुगम संगीत (गायन) के क्षेत्र में भक्ति संगीत परम्परा का निर्वाह : एक आलोचनात्मक अध्ययन।
निर्देशिका : प्रो. उमा गर्ग
Th 23450

विषय सूची

1. उत्तर भारतीय संगीत का उद्गम एक विकास 2. भक्ति संगीत परम्परा एवं भक्ति संगीत की विधाएँ 3. श्री राम भक्ति धारा एवं राम भक्ति संगीत 4. श्रीकृष्ण तथा श्रीकृष्ण भक्ति 5. निर्गुण भक्तिधारा एवं निर्गुण भक्तिधारा के कुछ कवि तथा उनका भक्ति संगीत 6. वर्तमान युग में प्रचलित भक्ति संगीत की मुख्य विधाओं का आलोचनात्मक अध्ययन। उपसंहार। सन्दर्भ ग्रन्थ सूची। परिशिष्ट।

11. मिसरा (अचल विशाल)
संगीत जगत को जगजीत सिंह का योगदान।
निर्देशक : प्रो. ओजेश प्रताप सिंह
Th 23446

विषय सूची

1. जीवन परिचय 2. ग़ज़ल के क्षेत्र में योगदान 3. फिल्म संगीत एवं दूरदर्शन धारावाहिकों के क्षेत्र में योगदान 4. भक्ति संगीत के क्षेत्र में योगदान 5. अन्य भाषाओं में सांगीतिक योगदान 6. जगजीत सिंह की कला एवं व्यक्तित्व के संदर्भ में कतिपय कलाकारों तथा प्रशंसकों के विचर। उपसंहार। संदर्भ ग्रंथ सूची। परिशिष्ट।

12. यशप्रीत कौत
शिव कुमार बटालवी-व्यक्तित्व एवं कृतित्व : एक अध्ययन।
निर्देशिका : प्रो. उमा गर्ग
Th 23453

विषय सूची

1. शिव कुमार बटालवी जी का जीवन 2. शिव कुमार बटालवी जी का साहित्यिक पक्ष 3. शिव कुमार बटालवी जी की रचनाओं का संगीतात्मक पक्ष 4. शिव कुमार बटालवी जी की रचनाओं का वर्गीकरण 5. शिव कुमार बटालवी जी की उपलब्धियाँ। साक्षातकार। उपसंहार। परिशिष्ट। संदर्भ ग्रंथ सूची।

13. राज नन्दिनी
वर्तमान सन्दर्भ में संगीत का आध्यात्मिक पक्ष।
निर्देशक : प्रो. शैलेन्द्र कुमार गोस्वामी
Th 23443

सरांश
(असत्यापित)

prastut shodh prabandh ka sirshak vartman sandarbh mai sangeet ka adhyatmik paksh hai.is shodh prabandh ko char adhyaaye mai bata gya hai.ismai sangeet ka vivechan karty huye sangeet ki utpatti or adhyatmik vikas ka varnan kiya gya hai.yogacharya shri upendra arya dvra prapt shaksatkar se om ke visya mai vistarpurvak batay gya hai . is adhyaye ke uprant dusra adhyaye prarambh hota hai.jiske antargat gayan ke sandarbh mai sangeet ke adhyatmik paksh ko batay gya hai. ismai raagon ke adhyatmik swaroop ke visya mai bhi isi adhyaye mai bataya gya hai.is adhyaye ke antim charan mai kabirdas,surdas ,tulsidasva meerabai ki kuch bhaktiprad rachnaon ke visya mai varnan kiya gya hai. iske uprant tritya adhyaye prarambh hota hai. sangeet ke adhyatmik paksh mai taal kis roop mai hai, sabse pehle shabd ki vyakhya ka varnan kiya gya hai.bhartiya sangeet mai tal ke swaroop ko btaya gya hai prasidh tabla vadak pt. kishan maharaj dwara bajai gai ganesh paran ke vishya mai ullekh kiya gya hai or iske baad chaturth adhyaye ka prarambh hota hai. is adhyaye mai nritya ke sandarbh mai sangeet ka adhyatmik paksh ke antargat nritya ke visya mai lucknow dhrane ke pt.bindadeen maharaj ji va pt.birju maharaj ji ki adhyatmik rachnao ke vishya mai ullekh kiya gya hai isis ke sath jaipur dharane ke pt.rajanedra gangani ki adhyatmik rachno ke vishya mai varnan kiya gya hai. iss shodh prabandh mai anek pustak, grantha,shastra ka aadhyan kiya gya hai or is sodh prabandh ko purna karne mai inka bahut bda yogdaan hai.kuch visesh shakshatkar dwara bhi kuch visesh sangeetik samagri prapt hui hai jise iss shodh prabandh mai dala gya hai.is prakar ant mai upsanghar or sandarbg granth suchi ke sath hi is sodh prabandh ko samapt kiya gya hai.

विषय सूची

1. संगीत का संक्षिप्त विवेचन 2. गायन के संदर्भ में संगीत का आध्यात्मिक पक्ष 3. वादन के संदर्भ में संगीत का आध्यात्मिक स्वरूप 4. नृत्य के संदर्भ में संगीत का आध्यात्मिक पक्ष। उपसंहार। संदर्भ ग्रंथ सूची।

14. विजय कुमार

हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत में बाँसुरी एकल वाद्य एवं संगीत वाद्य कें रूप में - एक विश्लेषणात्मक अध्ययन।

निर्देशिका : प्रो. अनुपम महाजन

Th 23445

विषय सूची

1. हिन्दुस्तानी सांगीतिक वाद्यों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एवं बांसुरी का क्रमिक विकास 2. बांसुरी वाद्य का एकल वादन 3. बांसुरी वाद्य का संगत वादन 4. वांसुरी वादन में कलाकारों का योगदान 5. रागों की स्वरलिपियां। उपसंहार। संदर्भ ग्रंथ सूची।

15. शर्मा (तृप्ति)

भारतरत्न पंडित भीमसेन जोशी का संगीत के क्षेत्र में योगदान -एक विश्लेषणात्मक अध्ययन।

निर्देशिका : प्रो. ओजेश प्रताप सिंह

Th 23795

विषय सूची

1. पंडित भीमसेन जोशी का जीवन-वृत्त 2. पंडित भीमसेन जोशी की गायन शैली 3. पंडित भीमसेन जोशी के व्यक्तित्व के विविध आयाम 4. पंडित भीमसेन जोशी की अन्य गायन विधाओं में गायकी 5. पंडित भीमसेन जोशी द्वारा निर्मित राग एवं बंदिशें 6. पंडित भीमसेन जोशी की उपलब्धियाँ एवं संस्मरण। उपसंहार। परिशिष्ट। संदर्भ ग्रंथ सूची।

16. शर्मा (नवीन)
हिन्दुस्तानी रागदारी गायन के सन्दर्भ में, एक अध्ययन।
निर्देशिका : प्रो. उमा गर्ग
Th 23448

विषय सूची

1. संगीत में आलाप की भूमिका 2. संगीत में अनिबद्ध की अवधारणा 3. आलप्ति की विस्तृत चर्चा 4. आधुनिक काल में प्रचलित भारतीय संगीत की प्रमुख गायन शैलियों में आलाप का प्रस्तुतिकरण 5. वर्तमान ख्याल गायन के विविध घरानों द्वारा रागप्रस्तुतिकरण में आलाप का व्यवहार। उपसंहार। परिशिष्ट। संदर्भ ग्रंथ सूची।

17. सिंह (अजीत)
हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत पर सामाजिक परिवर्तन का प्रभावः वर्तमान के संदर्भ में।
निर्देशक : प्रो. डॉ. राजीव वर्मा
Th 23797

विषय सूची

1. प्रस्तावना 2. समाज एवं हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत 3. प्राचीन-काल में हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत 4. मध्य-काल में हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत 5. आधुनिक-काल में हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत 6. हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत की शिक्षण व्यवस्था 7. सामाजिक परिवर्तन एवं हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत 7. उपसंहार। साक्षात्कार प्रश्नावली। साक्षात्कार प्रोफाईल फोटो सहित। निष्कर्ष। संदर्भ ग्रंथ सूची।

18. सैनी (सुषमा)
लोकसंगीत में निर्गुण काव्य का गायन : एक अध्ययन।
निर्देशक : डॉ. सुरेन्द्र नाथ सोरेन
Th 23449

विषय सूची

1. काव्य एवं लोकसंगीत का अर्थ, स्वरूप एवं पारस्परिक संबंध 2. निर्गुण काव्य का उदय, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एवं प्रवृत्तियाँ 3. निर्गुण काव्य के कवि एवं उनकी सांगीतिक विशेषताएँ 4. निर्गुण काव्य की काव्यगत विशेषताओं का संगीतपरक अध्ययन 5. निर्गुण काव्य के लोकसांगीतिक स्वरूप का अध्ययन 6. निर्गुण काव्य में लोकसंगीत का क्रियात्मक पक्ष। उपसंहार। संदर्भ ग्रंथ सूची।

19. सोनिया
हरियाणा की लोकगाथओं में संगीत की भूमिका : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन।
निर्देशक : प्रो. डॉ. राजीव वर्मा
Th 23798

विषय सूची

1. हरियाणा : इतिहास, नामकरण एवं संस्कृति का परिचय 2. हरियाणवी लाकसाहित्य का स्वरूप 3. हरियाणा का लोक संगीत 4. लोकगाथा–उत्पत्ति एवं विकास 5. हरियाणा की लोकगाथाओं में संगीत की भूमिका। उपसंहार। संदर्भ ग्रंथ सूची।

20. हरीश कुमार
छत्तीसगढ़ प्रान्त के प्रसिद्ध लोकगीतों का विश्लेषणत्मक अध्ययन।
निर्देशक : प्रो. ओजेश प्रताप सिंह
Th 23442

विषय सूची

1. छत्तीसगढ़ प्रान्त की एतिहासिक पृष्ठभमि 2. लोकगीतों की अवधारणा एवं विवेचन 3. छत्तीसगढ़ लोकगीतों का विश्लेषण 4. लोकवाद्य तथा उनका स्वरूप 5. छत्तीसगढ़ प्रान्त के कतिपय प्रसिद्ध लोकगायकों का परिचय। उपसंहार। संदर्भ ग्रंथ सूची।